

झारखंड में अफीम पोस्ता की ज़बती

चर्चा में क्यों?

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, झारखंड के पश्चिमी सहिभूम ज़िले में पुलसि ने 5.58 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की 37.23 क्वटिल पोस्ता ज़बत की है।

मुख्य बदि:

- पैपावरेसी कुल से संबंधित **अफीम पोस्ता (Papaver somniferum L.)** एक वार्षिक औषधीय जड़ी बूटी है।
- इसमें कई **एल्कलॉइड** होते हैं जिनका उपयोग आधुनिक चिकित्सा में प्रायः एनाल्जेसिक, एंटीड्यूसिवि और एंटी स्पस्मोडिक के रूप में किया जाता है। इसके अलावा, इसे खाद्य बीज और तलिहन के स्रोत के रूप में भी उगाया जाता है।
- पोस्ता वह भूसी है जो **फली/बीजकोष से अफीम निकालने के बाद बच जाती है।**
- इस खसखस/पोस्ता के भूसे में **मॉर्फिन की मात्रा भी बहुत कम** होती है और यदि पर्याप्त मात्रा में उपयोग किया जाए तो खसखस का भूसा उच्च परणाम दे सकता है।
- पोस्ता भूसे का **आधपित्य, बकिरी, उपयोग** आदि को राज्य सरकारों द्वारा **राज्य स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ नयिमां के तहत नयितरति** किया जाता है।
- कसिन पोस्ता भूसा उन लोगों को बेचते हैं जिनके पास राज्य सरकार द्वारा पोस्ता भूसा खरीदने का लाइसेंस होता है।
- कसि भी अतरिकित पोस्ता स्ट्रों (पोस्ता के पुआल/फूस) को वापस खेत में जोत दिया जाता है।
- पोस्ता स्ट्रों **स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधनियम, 1985 (NDPS अधनियम)** के तहत नशीली दवाओं में से एक है।
- इसलिये बिना लाइसेंस या प्राधिकरण के या लाइसेंस की कसि भी शर्त का उल्लंघन करने वाले कसि भी व्यक्ता के पास **पोस्ता स्ट्रों रखने, बेचने, खरीदने या उपयोग करने पर NDPS अधनियम के तहत मुकदमा** चलाया जा सकता है।

एल्कलॉइड (Alkaloids)

- एल्कलॉइड प्राकृतिक से पाए जाने वाले **कार्बनिक यौगिकों का एक वशाल समूह** है जिनकी संरचना में **नाइट्रोजन परमाणु** (कुछ मामलों में अमीनो या एमडिओ) होते हैं।
- ये नाइट्रोजन परमाणु इन यौगिकों की क्षारीयता का कारण बनते हैं।
- प्रसदिध एल्कलॉइड में **मॉर्फनि, स्ट्राइकनि, कुनैन, एफेड्रनि और निकोटीन** शामिल हैं।
- एल्कलॉइड के औषधीय गुण काफी विविध हैं। मॉर्फनि एक प्रबल मादक पदार्थ है जिसका उपयोग दर्द से राहत के लिये किया जाता है, हालाँकि इसका मादक गुण इसकी उपयोगिता को सीमति करता है। अफीम पोस्त में पाया जाने वाला मॉर्फनि का मथिाइल ईथर व्युत्पन्न कोडीन, एक उत्कृष्ट एनाल्जेसिक है जो अपेक्षाकृत गैर-मादक है।